उपेक्षा

शुक्र है की
इस कागज़ ओर कलम को
आदत नहीं हुई,
मेरे शुभचिंतकों की तरह
मेरी उपेक्षा और अवहलेना करने की !

वरना तो कम्भख्त,
एक लेखक भी न बन पाते हम !

--- राजीव नंदा